



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-19022020-216270
CG-DL-E-19022020-216270

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 681]
No. 681]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 18, 2020/माघ 29, 1941
NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 18, 2020/MAGHA 29, 1941

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 2020

का.आ. 746(अ).—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (गुणवत्ता नियंत्रण एवं निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 12, के उपनियम (2) के साथ पठित, निर्यात (गुणवत्ता नियंत्रण एवं निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स इंस्पेक्टोरेट ग्रिफ़िथ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 488, खांजांचक, दुर्गाचक, हल्दीया, पूर्वा-मेदिनीपुर-721602 पश्चिम बंगाल (जिसे एतदपश्चात् उक्त एजेंसी कहा जायेगा), को इस अधिसूचना के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए, वाणिज्य मंत्रालय की शासकीय राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना के साथ अनुसूची में निर्दिष्ट दिनांक 20 दिसम्बर, 1965 की अधिसूचना सं. का.आ. 3975 के तहत प्रकाशित अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूचियों में विनिर्दिष्ट खनिज और अयस्क समूह-I अर्थात् लौह अयस्क, मैंगनीज अयस्क मैंगनीज डाइऑक्साइड को छोड़कर तथा फेरोमैंगनीज, फेरोमैंगनीज स्लैग सहित को निर्यात से पूर्व निम्नलिखित शर्तों के अधीन हल्दिया पतन में उक्त खनिज और अयस्क के निरीक्षण करने के लिए एक अभिकरण के रूप में मान्यता देती है, अर्थात् :

- यह अभिकरण, खनिज और अयस्क समूह-I का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अधीन विनिर्दिष्ट निरीक्षण के समय अपनाई जाने वाली निरीक्षण की पद्धति की जाँच करने के लिये निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा निमित्त नामनिर्दिष्ट अधिकारियों को पर्याप्त सुविधाएं देगी; और

- (ii) यह अभिकरण, इस अधिसूचना के अधीन अपने कार्यों के पालन में निदेशक (निरीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण), निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा समय-समय पर, लिखित रूप में, दिए गए ऐसे निर्देशों से आबद्ध होंगी।

[फा. सं. के-16014/1/2020-निर्यात निरीक्षण]

दिवाकर नाथ मिसरा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th February, 2020

S.O. 746(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) read with sub-rule (2) of rule 12 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, the Central Government hereby recognises M/s. Inspectorate Griffith India Private Limited, 488, Khanjanchak, Durgachak, Haldia, Purba- Medinipur – 721602 (hereinafter referred to as said agency), as an agency for a period of three years with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette, for the inspection of Minerals & Ores, Group-I, namely, Iron Ore, Manganese Ore excluding manganese dioxide and Ferromanganese including ferromanganese slag as specified in the Schedule annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, published in the official Gazette *vide* number S.O. 3975, dated the 20th December, 1965, prior to export of the said Minerals and Ores at Haldia Port, subject to the following conditions, namely:—

- (i) the said agency shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in carrying out the inspection specified under rule 4 of the Export of Minerals and Ores - Group I (Inspection) Rules, 1965; and
- (ii) the said agency, in performance of their function as specified in this notification shall be bound by such directions, as the Director (Inspection and Quality Control), Export Inspection Council may give in writing from time to time.

[F. No. K-16014/1/2020 - Export Inspection]

DIWAKAR NATH MISRA, Jt. Secy.